भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 535
जिसका उत्तर 23 जुलाई, 2025 को दिया जाना है।
1 श्रावण, 1947 (शक)

इलेक्ट्रॉनिक्स संघटक विनिर्माण योजना

535. डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्रीमती स्मिता उदय वाघः
श्री नव चरण माझीः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इलेक्ट्रॉनिक्स संघटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के प्रमुख उद्देश्य और विशेषताएँ क्या हैं और भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका क्या है;
(ख) ईसीएमएस के अंतर्गत उप-संयोजनों, बेयर कंपोनेंट्स और पूंजीगत उपकरणों के लिए चिह्नित विशिष्ट उप-खंड क्या हैं और उनकी निवेश सीमा और प्रोत्साहन दरें क्या हैं;
(ग) क्या ईसीएमएस पूंजीगत उपकरणों और टूलींग का समर्थन करता है और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए क्या पहल की गई हैं;
(घ) ईसीएमएस के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहनों की प्रकृति क्या है और इनसे किस प्रकार रोजगार और उद्योग विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है;
(ङ) सरकार द्वारा ईसीएमएस के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में गुणवत्ता और नवाचार सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है जिसमें सिक्स सिग्मा मानकों को अपनाना और डिज़ाइन टीमों का गठन शामिल है; और
(च) महाराष्ट्र राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स संघटक विनिर्माण योजना की स्थिति क्या है और इस संबंध में महाराष्ट्र के पालघर जिले में किसी भावी कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ङ): पिछले दस वर्षों में सरकारी पहलों के परिणामस्वरूप भारत में एक सुदृढ़ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित हुआ है। इसे निम्नलिखित से देखा जा सकता है:

#	**2014-15**	**2024-25**	**टिप्पणी**
इलेक्ट्रॉनिकी सामान का उत्पादन (रु.)	1.9 लाख करोड़	11.3 लाख करोड़	6 गुना वृद्धि
इलेक्ट्रॉनिकी वस्तुओं का निर्यात (रु.)	38 हजार करोड़	3.27 लाख करोड़	8 गुना वृद्धि
मोबाइल विनिर्माण इकाइयाँ	2	300	150 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का उत्पादन (रु.)	18 हजार करोड़	5.45 लाख करोड़	28 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का निर्यात (रु.)	1,500 करोड़	2 लाख करोड़	127 गुना वृद्धि
आयातित मोबाइल फोन (इकाइयों में)	कुल मांग का 75%	कुल मांग का 0.02%	

इलेक्ट्रॉनिक्स संघटक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक व्यापक और सुदृढ़ बनाने के लिए, भारत सरकार ने 08 अप्रैल 2025 को इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) को अधिसूचित किया, जिसका उद्देश्य मूल्य श्रृंखला में निवेश (वैश्विक/घरेलू) को आकर्षित करके सुदृढ़ संघटक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है, जिससे घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) में वृद्धि होगी और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) के साथ अपने घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को एकीकृत करके वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक व्यापार में भारत के निर्यात के भाग में वृद्धि होगी।

इस योजना के अंतर्गत लक्षित खंड में सब-असेंबली, बेयर कंपोनेंट, उनकी संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र और पूंजीगत उपकरण और उनकी सब-असेंबली शामिल हैं।

लक्षित खंड के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पादों के लिए निवेश सीमा और प्रोत्साहन दरें अलग-अलग हैं। इस योजना में टर्नओवर से जुड़े प्रोत्साहन, पूंजीगत प्रोत्साहन और कुछ मामलों में दोनों प्रोत्साहनों का संयोजन भी शामिल है। इसके अलावा, देश में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए, प्रोत्साहन का एक हिस्सा रोजगार सीमा प्राप्त करने पर निर्धारित किया गया है।
योजना का प्रासंगिक विवरण वेबसाइट ecms.meity.gov.in पर उपलब्ध है।

(च): इलेक्ट्रॉनिक्स संघटक विनिर्माण योजना एक अखिल भारतीय पहल योजना है। आवेदकों द्वारा ईसीएमएस पोर्टल पर आवेदन जमा करने की प्रक्रिया चल रही है।

*****